Prakrit

1

Incomplete

C

:	:	Chandaḥśāstra in Prakrit	: Title
:	:		: Author
:	:		: Editor
:	:		: Year, Vols.
Prakrit :	:		: Publisher
1 :	:	Fol. 1 missing, incomplete	: Remarks

णपउकंतासहइजेणुअंगमजइणमइ किंकरिअएमणि ॥ मत्त
हारहवंजणस्सजहाचेउसहइजेवंचलोऊदारिद्दहिवलंताप
अउणघल्लसिरखुल्लणाकोलसिउणउद्धसंत ७ नइदाहोपि
च्चवणोलहुजोलापइद्दोइसोविलद्दावणो विउरिअपडिबो
दोन्निणिविएक्कजाणेदु ८ अरेरे वाहहिकोएहणावछोडिउ
णमगकुगतिणदेहिानइएव्यियणइहिसंतानुदेइजो वाहहि
सोचेहिएजेमणसहइकरइकेणछुत्तुजातिलतुलिचंऊव
अद्वेणातेमणसहइसवणतुलाअवठं दंठं दमेगेण ९ अवुद्द
वुढणं मज्झेकव्वेजो पढइ लकवणविहूणं ॥ भूअगारवगाव

गोहिसीसेखलिअंएजाएहि ११ टठडढाएंमज्झेगएोअहोंतिपं
चअक्खरआ॥ छपचतदाजहसंखंछपंचचउत्तिदुकलासु १२ टगा
एोतेरहभेओभेआअठ्ठाईहोंतिठगएस्सडगएस्सपंचभेओ
तिणिढगएोविएागएएखा १३ पठमगुरुहेठ्ठठाएोलहुअंपरि
ठवहुअप्पबुद्धीएसरिसासरिसापंतीउव्वरिआगुरुलहूदेहु १४ २
छक्कलपत्थारेगएाणंनामानि॥ ॥हरससिसूरोसक्कोसेसोअ
हिकमल॥बम्भकिएिवंदोध्रुअधम्मोसालिअरोतेरहतेछ
छमत्ताएं॥ ॥अथपंचकलाएांएामाएि॥ ॥इंदासएंअहसू
रोचाओहीरोअसेहरोकुसुमोअहिगएापापगएोछक्कपंचकले

पिंगलेकहिओ १५ अथचतुष्कलानांनामानि॥ ॥गुरुजुअक
एोगुरुअंतकरअलोपओहरम्मिगुरुमज्झम्मि॥अाइगुरुव
सुचरएोविप्पोसव्वेहिंलहुएहि १६ अथत्रिकलानांनामानि
॥ ॥धअचिएहचिरचिरालअतोमरतुंबुरुपत्तचूअमाला॥
वसवासपवएावलअंलहुआलेवेएजाएोहु १७ सुरवइप
टहघतालाकरतालाएंदछंदेएा॥एिव्वाएंसमुद्दंतूरंपहप्प
माएोए १८ णावरसतोडवेहिंएारीअकुलहमाविएिओति
लहुगएस्सकरइअरोइअएामंपिंगलोकहइ १९ अथद्विक
लानांनामानि॥ ॥एिउरस्सएचरएांचामरफएिमुद्धकए

अकुंउल्लं। वंकं माणसुवल्लं हारावलिए ह गुत्तं अस्स २० णि
अच्छिअपरमउसुपिएविच्छुहुविसमासुकरदिछं॥ अहवउम
त्तहणामंफणिराओ पइगणंतणाइ २१ सुरच्छलचंगुत्तुंच्छ
लंकणासमाणेणारसिअरसणगा। मणहरणसुमइजेविअ
सहुलहिअउनासवणेण २२ करपाणिकमलहाथंवाहसु ३
अइंउपहरणअसणिअं॥ गअपरणरअणणणपुअर
णंहोंतिसुपसिद्धं २३ पुअवइअसणारगअवइवसुणाहिवज्ज
गोआलो। उणाअकचक्कवइपअहपवणेणरिंदाइ २४ पअ
पाअचरणाजुअलंअवउपआसेइगंउवलहइं॥ तोअपिआ

महइहणेउरइजेघजुअलेण २५ पढमंपरिसिविप्पोवीस
सरपंचजाइसिहअरेहिअवरपरमोपाएहोइचउक्केणलहु
एण २६ पंचकलानांप्रत्येकंनामानि॥ ॥सुणरिंदअहिअकुं
जतुगअवसुदंताइदंनिअहमेहो। एरावइनारावइगअणंज
पत्तलम्मिपणि २७ परिरवविराइ. मइंदहवीणाआरूजकवच्छ
मिअजोहलअं। सुप्पणापणगासनगतुउविअणेउमञ्जल
कुएण २८ वसुविविहपहरणेहिंपंचक्कलओगणोहोइ॥ अरा
हतुरंगपाइक्कएहणामेणजाणचउमात्ता २९ ताजंकहारणेसु
रकेउरओहोंतिछउमेत्ता॥ सरमेअदंउकाहवलअकुनेत्ताहोंति

एत्ताइं ३० संखं पुच्छक हालं वरं असेसेहिं होंति करअलच्छोव॥
छणाणाकुसुमं रसगंधे सद्दपरसेण ३१ अथ वर्णवृत्तानां गण
ः॥ ॥मो तिगुरू णो तिलहू लहु गुरु आइं य॥ जम ज्झ गुरु भ म ज्झ
हूरो स ठ मा अंत गुरू तो विअंत लहुएण ३२ अथ देवताः॥ ॥
पुहवी जल सिहि आलो गअणं सूरो अ चंदमा णाओ॥ गणा अ ५
व अवदे वोड्ह संखं पिंगले कहिओ ३३ मगण णगण दुइ त्ति
त्तहो मगणहो मित्त भाउ आसी ण जतद्दू उ गण उदासि वठअ
रिणि विवर ३४ मगण रिद्धि थिर कंप॥ यगण सुह संपअ दिज्ज
इ रगण मरण संपलइ॥ जगण खर किरण विसज्जइ॥ तगण सु

ण फल कहइ॥ सगण सहदेसु चाएइ भगण च वइ मंगल अ
णे अकइ पिंगल भासइ॥ जो तक वगाहइ दोहइ सुणहएणगण
होइ पर मर रखर हि ल सुरिद्धि सिद्धि सव्वइ फुरइ रण रा उरउत्त
र तरइ ३५ अथ द्विगण विचारः॥ ॥ मित्त मित्त देइ रिद्धि बुद्धि
अरु मंगल किज्जइ॥ मित्त भिच्च थिर कंपइ जुज्झ णिच्च अजअ
दिज्जइ॥ मित्त उदासे कज्ज वंध पुण दुण किज्जइ मित्त होइ दु
जइ सत्तु गोत्त वेध ववपिड्डिज्जइ॥ अरु भिच्च मित्त सवकज्ज होइ
भिच्च आ अत्ति वल अरु भिच्च उआसे घणुणासइ भिच्च वैरि हो
केदपलउ आसि णज्जइ मित्त कज्ज किछु वंधे देखावइ॥ अ

सोलजइ तिद्वंद्व सव्व आत्ति अएा वइ।ऊ आसी।एउ आसें मंदल
लाकिछ अणजाणि अ।उ आसी।ए ध जइ सत्तु गो नेवेरिउ कइ।
मा।णि अ।सत्तु पिन्न होसु णाफलसत्तु निव होघरि णि खस।पु
णु सत्तु उ आसें घएम णासइ सत्तु सत्तु णा।अक्क णस इ ए।अथ
माना।णा मुद्दिष्टं॥ ॥पुव्व जु अलसरि अंका दिज्जसु गुरु सिर अं ५
कसेसमे दिज्जसु।ऊ वरल अंक ले किव कहु आण॥ नेपरिक्ष
अउद्दिष्ठा जाणा ४० अथ नष्टं॥ ॥नष्टे सव्व के लारिज्जसु।पुव्व
जु अलसरि अंका दिज्जसु।पूछल अंक के ने टाव हु से खउ वरल अं
कले पिक्क हु लेख।जत्थ जत्थ पाविज्जइ माग।एहु कहइ फु

रपिंगल णाग।परमत्ता लहु गुरु ता इ।ज तले रख हतत तले रख
हु आइ ४१॥ अथ वर्णो ना मुद्दिष्टं।अक्खर उप्पर उणा अंक
दिज्ज दुमणा हु उरिव्वा।लहु उप्पर जो अंक को तं दइए कै णा जा
णेहु॥ ॥अथ नष्टं॥ ॥णा द्वे अंके भाग करिज्जसु।समभाग
हिं ने लहु अवु णि जसु।विसम एकक दइ वंटणा किज्जसु।पिंग
लजे पहु उत्ते आणि ज्जसु॥ ॥अथ मेरु॥ ॥अक्खरखेवर खेव खे।
कोठक उआइ अंत पर में क।सिर दुइ अंके जाव उमनु सरइ
मिरु णि संक॥ ॥अथ पताका॥ उद्दिष्ट सरि अंका दिज्जसु।पु
ब्व अंक पर भरण करिज्जसु।पावल अंक पढम पर दिज्जसु।पथ

रसंखपताकाकिज्जइ॥ ॥अथमात्रामेरुः॥ ॥दुइदुइकोठ्ठा
सरिसिहहु पढमअंकतसुअंत॥ तसुआइहिपुणुएक्कसंप
रमेंवेविमिलंत॥ सिरअंकेतसुसिरपरअंकेउवरलकोठ्ठपूर
हणिसंकेमत्तामेरुअंकसंचारिवुज्झहुवुज्झहुवुज्झएजाए
उइचारि॥ ॥अथमात्रापताका॥ ॥उद्दिट्ठासरिअंकाथप्प ६
दु·वामावत्तेंपरलइलुप्पहुएक्कलोप्पेएक्कगुरुजाए॥दुइति
णिलोपेउइतिणिआए॥मत्तपताकापिंगलगावजोपावइ
सोपरहिमिलाव॥ ॥अथवृत्तस्यलघुगुरुस्थानं॥ ॥पुच्छल
छंदकलाकइपुच्छलछंदवएमेटाव॥अवसिवेगुरुजाणिअ
दुजाणिअवउताव॥ ॥अथप्रस्तारसंख्या॥ ॥छव्वीसासत्तस
ट्ठातुतदसत्तारहसहस्साइ॥वाआरीसंलक्खं·तेरहकोडी
समग्गाइं॥होइगाहूमत्तचउआएनरहगा॥समत्तावएीतरहविमु
दपत्तिवदिदिज्जइ॥उगाहउसविपर·गाहिएी॥अवासविकि
ज्जइतहविपवदइसोहिएावेत्रगाहोसविं॥मत्तअएा॥
एगुएाखंधयमत्तचउसवि॥पुवद्धउत्तद्धेसत्तगालमत्तवीसंध
ट्ठवमगएायअमज्जेगाहूमित्तवउअलाइ॥जहा॥ ॥चंदोचं
दएाहारोतावअरूअंपआसंति॥चंदंजेसरवराकित्तीमावएा
सप्पंएिअंसेइ॥गाहू॥पढमंवारहमत्ताधाएअवारहेहिं

संजुत्ता॥ जह पढमं तह तीअं दह पंच विहूसिआ गाहा॥ जस्सा
जेण विणा ण वि विज्जइ अणुणिज्जइ सो कआवराहो वि।
पत्ते वि णअरडाहे भण कस्स ण वल्लहो अग्गी॥ गा॥ सत्तग
णा दीहंता जो णलहू छट्ठो णेहो विसमे॥ तह गाहे बिअ
अद्धे छट्ठं लहुअं विआणेहु॥ सव्वाए गाहाए सत्तावण्णाइं हो
ति मत्ताइं॥ पुव्वद्धम्मि अ तीसा सत्ताईसा पच्छद्धाए। सत्ताई
सा हारा सव्वा जस्सम्मि तिण्णि रेहाइ॥ सा गाहा दुण्णं गाहा अ
इला सकवरा लद्धी॥ तीस क्खरा हि लच्छी सच्चेवं दंति लोइ वि
कखाआ॥ होसइ एक्केक्क परिवद्धिअणं तह उण णामाइं॥ ता लच्छी

रिद्धी बुद्धी लज्जा विज्जा खमआ देही आ॥ गोरी धाई चुण्ण
छाआ कन्ती महामाई आ॥ कित्ती सिद्धी माणी रामा गाहि
णी विस्सा वासी आ॥ सोहा हरिणी चक्की सारसि कुररी सी
हा हंसी आ॥ पढमं बीहं मअं बीए साहुस्स विक्कमं जा
आ॥ तीए गअवर लुलिअं अहिवरलुलिअं चउत्थए गाहा॥
एक्के जे कुलमंती विण्णा अ केण होइ संगहणी॥ एणा अक
हा णा रंडा वेसा वहणा अका होइ॥ तेरह लहुआ विप्पा
एआईसेहि खत्तिणी भणिआ॥ सत्ताईसे वेसा सेसा॥
सा सुद्दिणी होइ॥ जा पढम तीअ पंचम सत्तमठाणे णहो

इ गुरु मज्झा ।। गुणिणिआ गुणरहिआ गाहा दोसं पआसे
इ ।। गाहा ।। विप्पा हा पढमदले सत्ताइं सामत्ताइं । मज्झि
मदलेण तीसा इअ जंपिअ पिंगलेण णाएण ।। जहा परि
हर माणिणि माणं पेक्खहि कुसुमाइं णीवस्स ।
तुम्ह कए खरहिअओ गेण्हइ गुणिआ णइ धणुइं किर
कामो विगाहा ।। पुव्वद्धे उत्तद्धे मत्ता तीसंति सुहअ संप
णिआ ।। सो उग्गाहो वुत्तो पिंगलकइदिट्ठसट्ठिमत्तंगो ।।
जहा ।। सोऊण जस्स णामे अंसूणअणाइं सुमुहि तुंधे
हा मण्णवीरचेइवइणो पेच्छेम्मि सुहं कहं दे जाति किं से ।। उग्गा

हो ।। पुव्वद्धे तीस मत्ता पिंगल पत्तलो इ मुद्धि णि मुणोहि
उत्तद्धे वत्तीसा गाहिणि विवरीअ सीहिणी भणइ सव्वे ।।
।। जहा ।। ।। मुंचहि सुंदरि पाअं अप्पहि हसिऊण सु
मुहि खग्गं मे । कप्पिअ मेच्छ सरीरं पेच्छइ वअणाइं तुम्ह
क हम्मीरो ।। गाहिणी ।। सीहिणी जहा । वरिसइ कणअ
हु विद्धी न प्पइ भुअणे दिअ णि संजगं ते ।। णीसंक साह
से को ।। णिंदइ इंदं च सूर विवेच ।। सीहिणी ।। उ मत्ता चरइ
व्व गणा पुव्वद्धे उत्तरद्धे तीसमत्ता सारवंधआ विआण
हु पिंगलपञ्चसे इ मुद्धि वहुसंजे आ ।। जहा ।। जं जं आणेइ गि

रिरंविरहचक्कपरिहिस्सएणसहहएफच्चा॥ तंतेलोक्काइएण
लोवामकउत्थंनिब्भंरएहसमुद्दो॥ एणछदुडसेसलारंगसि
सिवळंलवारएण॥ वउणालीलमच्छएफनालेंकसेहेउ॥ मरगच्च
एफसरह विमहरवाउएण॥ श्रउचरुणिद्धएणेहल्लु॥ अञ्जगाउ
लोलउम्मुद्धसरिकुंलकलेससासिजा॥ एण॥ साहसेससहरमु ले
एणुहुञ्चवाइमखंधाएण॥ अवलिलहुच्छापसरजहिसोससि
एणंदहुजाएण॥ गुउडुदइवेलहुचलइतंतेणापविञ्ञाएण॥ ज
हा॥ वंदाऊं तकासाणराहारातिलोञ्जणीराहंसाज नाज
लासेवातनाकासीसजिणिज्ञोलेकिलो॥ ॥गाथाप्रकरणं॥ ॥

तेरहमत्तापटमघञ्चपुणएअग्गरहदेदुपउएतेरहएहारह
हिदोहालकरहणएह॥ जहा॥ सुरञ्चहसुरहपरसमणिएण
हिवरिससमाएण॥ अवक्करहोकछिएणतएञ्चोपञ्चलोपा
हाएण॥ जमहुमा मउसरहसेवाएणंमंळञ्जमकंउकरहएण
रुमरालमञ्चगंवपञ्चहहउ॥ वलुवाणरुनिएणिकलुकंलछस
हूलसहिवरु॥ वग्घविरालवुमुणहतहउडरसप्पपमाएण
॥ गुउडुदइवेलहुचलइतेंतेणापविञ्ञा॥ छहीसरखउअम
रुहोगुरुवाइसलहुच्चारि॥ गुरुडुदइवेलहुचलइतेंतेणाम
विञ्ञारि॥ ॥जहा॥ ॥जाअद्धंगेपवइसीसगंगाजासु॥ जो

दुआणो वच्छे होवंदे पाअंवी सुतेरहलहूआ विप्पा तहवाइ
सहिं खत्तिणीअ णिआ । वत्तीसेहोइ अरा सुदिणी होइ जिस्सा
पढमहुती एज्ज गणो दीसंनि पाअ पाएसु ॥ चंडाल हूइ चरहि
आदोहा दोसं पआसेइ ॥ ७ ॥ छक्कलु चक्कलु तिणिकलु एम पा
रि विसम पआंति । समपाआहि अंते ककलु वच्चि दोहा णि । १०
अंति ॥ दोहाइं अवरगणा धरजु अलापुण विअतिअला
दु पअल ॥ एमविहि विरुद्धउ पअणिओ ॥ सुहरु जुजिमसअं
सिरअणि ॥ एछ र सि अउमि अ एअणि ॥ एअदह कलगअण
मणि ॥ जहा ॥ ॥ विमुंडं चलि सरणचलुपरिहरि अदपा

यवलु । हलहलियअ मलच्चअणि वइ । जसु जससि हुअ एणि
चइ । वरणमिणारवइलु लिअ ॥ सअलउ वरिजसपुरिआ
आइक ध उक्क कि उलो हं णिणिमहसा ॥ गु नुवरु इवलह
वलइ वंगेणमविक्षाउ ॥ लोहं णिणिहं सिणिआरेहाता
लकिकं पिअं ताला । कालो कल्लउ हाणी उछक्कु ओअ ढणाम
इ । लोहं णिणि सब्ब कल हू जउ ल गुउचारि होइ साहं स ॥
जेजं वद्द इहारो णामं बोज ल्य से तल्य ॥ ॥ ७ ॥ छक्कलु ॥ ॥ पटम
होइ चउवीस मत्ताउ अंतरज्जुत्तो पिंगल होंतउ सेसणाउ
तण्णिरोलावुत्तो ॥ एगारहा रोह दोछउ इ । एकेएके टै

अणिआणो उब्बइ॥ पच्चणरेंदरमरूराणिनराणिघच्चघक्कि
हिऊंपि॥ कमठपागदरमरिच्चमेत्तमंदरसिरकंपिच्चा॥ कोहे
चलिच्चहमीरवीरवीरगच्चजहूसत्तुत्ते॥ किएउकवेहाकंद
मुछिमेछहु केपुत्ते॥ ऊंदकरच्चलुमेहवालंककेलहकोकि
ल॥ कमलुइंदुसंगुवामेत्तगणेसत्त॥ सहसकवसेसनणा
णाच्चराच्चजंपरफणेसत्त॥ तेरहच्चकवरजेपलइएगारह
गुरुएहिं॥ अलकवरच्चकलरजंचलइतेनेणामकुणोहि॥ ११
रोसा॥ दहसत्तवणापटमपमुच्चमुणहुच्चणा॥ तेहवीह
मिच्चघारहइजमच्चजुअरमणा॥ हमवीच्चहलेकणहमणाइ

फलगंधाणा॥ णामइच्चहइच्चहोइ पंडिच्चजणाविलहरणा॥ ते
रहच्चकवरपलइ पच्चपटमवरणगंधाणावीच्चकवरपुणाज
मच्चदइच्चघारहविच्चाणा॥ जह॥ कणचलंतेकुम्मचलइपु
णविच्चसरणा॥ कुम्मचलंतेमहिचलइपुच्चणाजेअकरणा॥
महिच्चचजैनेमहिहत्ततहेच्चमुरहणा॥ चक्कवइचलंतेचल
इवेचकुजेउंतिदुच्चणागंधाणा॥ चउपइच्चाछंदाजणाइफ
णिंदाचउमत्तागणासत्ता॥ पाणमगुरुकरितीसमत्तरिचउ
सच्चच्चसिच्चणिहत्ता॥ चउछंदलविज्जइएक्कएकिज्जइ
कोजाणइहणुमेउ॥ कइपिंगलभासइ छंदउपच्चासइमिच्च

मिअमिअएक्कु॥ जहा॥ जासुसीसहिंगंगागोरिअधंगागिअ
पिंधिअफणिहार॥ कंठट्ठिअवीसापिंधिअदीसासंतारि
असंसार॥ किरणावलिकंदाबंदिअचंदाणअणहिअणल
फुरंता॥ सोमंगलदिज्जउबहुसुहकिज्जउतुम्हभवाणीकं
त॥ चउपइआ॥ पिंगलकइदिट्ठउछंदउकिट्ठउधवलमत्त १२
वासट्ठिकरिज्जउमत्तसमाणएवेविपाअभणणिणिणि
लउक्कंतधरि॥ पढमंदहवीसामोबीएमत्ताइअट्ठाइं॥ ती
एतेरहविरइघत्तामत्ताइंवासट्ठि॥ जहा॥ रणदक्खदक्ख
हणुकुसुमधणुअंधअगंधविणासकउ॥ सोरक्खउसंकरउ

असुरभअंकरउगिरिणाअरिअद्धंगधरउ॥ घत्तासोघत्त
कुलमत्तउकिज्जिअपाउणाअरापिंगलुकहइ॥ गारह
वीसागणंदउणामपुणविसमंतेरहविरइ॥ जहा॥ जेघंदि
असिरगंगहलिअअणंगअद्धंगहिपरिकरूअवरउ॥ सो
जोइजणमित्तहरउदुरितसंकाहरसंकरवरउ॥ घत्ता॥
णंदउछप्पअछंदहछइपुणुदुअकलरसंजुत्तउ॥ एआर
हतेरहविरइतपुणुतेरहलिहिउत्तउ॥ विमत्ताधरिपढम
तपुणुचउचउअलकिज्जइमज्झट्ठिअगणपंचहिघवि
मलकुलरंजइ॥ उल्लालविरइवेपएरहमत्ताअट्ठाइस

सोइ॥ एमप्पुणकुमणणहउप्पअहपञ्जअणहाएस्याणकिंपिहो
इ॥ ॥जहा॥ ॥पिंधउ दिढ सण्णाह वाह उप्पर पक्खर दइ॥ बंधु सम
रि रण धसउ सामि हम्मीर वअण लइ। उड्डल णह पह भमउं॥
खग्ग अरि सीसहि झारउं। पक्खर पक्खर ठेल्लि पेल्लि पव्वअ अप्
फालउ॥ हम्मीर कज्जें जज्जल भणइ कोहाणल मुह मह जलउ। १३
सुरताण सीस करवाल दइ तेज्जि कलेवर दिअ चलउ॥ पअ पअ
तल उणि वद्ध मत्त चउवीस हा किज्जइ॥ अकवरउं वरसीस
ठं दह असुद्ध गणिज्जइ॥ आइहि छक्क लु होइ चारि चउकल
हणि वुज्झेउ। उक्कल अंत णिवद्ध सेस कइ वंदु चुणि लेउ॥ वा
वण सउ विमत्त हमुणकुण्डलि डसरिसउ गुणकुण्डप्प अह

उंह एरिसि विहोइ कोइ गंधगंधि विमरहु॥ ॥जहा॥ ॥जहा स
रअ ससि विंव जहा हर हार हंस ठिअ। जहा फुल्ल सिअ कमल।
जहा सिरि खंड दिअ। जहा गंग कल्लोल सोहि ठिअ उप्पइ॥
जहा उद्धवर सुद्ध फेण फंफाल थलप्पइ॥ पिंअ पसाए छि छि
पहुलि ङ्ग अह हसइ जह हत्त भणि जण॥ वरमंति चंडेसर कित्ति
तुअ तत्थ पेक्खिव हरि वंन जण॥ वारिपाएइ अकबनएण।
विविपा अउ छप्पाल। गुरु लहु कवण पउप्प छक्कु करइ अउप्प अपअप्प
र॥ ॥अथ कामवलत्तं॥ ॥आइअंत डकुठ छक्कु कल उत्तिणि
तुरंगम मज्झ। तीए जगण कि विप्पगण। कहहु लक्कवण वुज्झ॥
चउअगलवाली सगुरु एक्कके गुरु लेलो। जो गुरुहीण उक्कसो

इत्ता मत्ता हत्थ करेहू ॥ जसु कर फणि पइ वलअ तरुणि वर त
णु मह कित्ति सई ॥ णअणा अणल गल गरल विमल विमल यस
हर सिर णिवसइ ॥ सुरसरि सिर मह रहइ सअल जण दुरि
दमन करा । हसि सअल हर हर हर हरउ दुरित तुअ अज्ज न पवित
र वरा ॥ शाक्का ॥ जह जह वलअ आवड्डिहइ । तहँ तहँ हत्था मक्क २५
लो ह्रु ॥ सक्क हि सउ जणणि अगण पवतालो समुरो ह्रु ॥ ता
स क्को संतो णो सरो गं जो रवंधो विज्ज अदि प्पगे ॥ तालंको ॥
समरो हो सेसो उत्ते ओ पाइ विवक्को । यरि धमुमराल पई हावं
जो पक्कल अभमरधो ॥ वासंठो कंठो मोरो वंधो रमरो निएम

रघो ॥ वलह हीरा ओ वलि ओ खी मो खा मं घाणो वलि मेह
स हस क्को वा लो दरि ओ समरो दंजो उद्दंगो हो वलि अंको तु
र ओ हरिणो अंधो मुद्दो एत्त ह लिंगो । वत्थु आणमं पिंगल
रा ओ जं पइ छंद पवंधो । पव्व तालीस ह वत्थु सा छंदे वंद विद्धं
णा सव्वा कर पिंगल चणइ वलइ णाहरि हर वंना ॥ पसह दी
ण्ड उ पंगु हो ण वोउ अप नणि ज्जइ । मत्त गाल वा उल उ सुण
क लकल्हु सुणि ज्जइ ॥ ठलवजि अ गुण वहिर अंघलंकार
हरि अउ । वोलउ छुडु दवपा अप्पविएउ वलकहि अउ ॥ उ
रउ अक्कु घकाणउ अग्गुणराअ रक लवहि गहि आ ॥ सङ्गंगअं
ग सम मसरिस गुण रुप्प अप्पस पिंगलेक हिआ । विप्पलो अवन्नो

सारवत्तिवेआलकरिज्जसु।अट्ठतालिसलहुवेससेसहु
सलहिज्जसु।चउआगालपआवीसमसट्ठाणबइकरिज्जसु॥
पवतालीसमहणामकवलकवणाहविज्जसु।कहवीसउ।
छौलउएक्ककरतिणिपाअछप्पहअट्ठएणउ॥समवणसरि
समरिसउणाणमएहत्तरिपरिमुणउ॥ ॥अथौछौलल १५
क्खणं॥ ॥तिणितुरंगमतिअलतहछहचउतिअतहअंत
एमउछौलउदवउबिउदलछप्पणमत्ता॥ ॥सवगुरुजत्त
।जा।आजा।अद्धंगसीसेगंगालेलंती।सव्वासापूरंतेसवेउकवा
लोलंती।णा।आरा।आहारदीसंतासापासंता।वेन्नालासेगण
वेइवणसता।णाचंता।कंता।उच्छवेनालाणमीकंपले।जाद्दि

मोकवपाविज्जेसोतुम्हाणंसुकवेदे॥चउआलिसगुरुकव्व
केहुहवीसउल्लाला।जेगउदुहइवेलहुवुलइ९हत्तरिपत्थार॥
॥ ॥अथशाल्मलीप्रस्तारः॥ ॥अजअवेआसीअकवरलि
उसत्तरिरविरेहा।एक्करवरवलगुरुवलइदुदुहलहुआलो
हा॥अजउविद्धउवलिवणवीरवेआलविहंणल्लु।मकल्लुहरि
हरवेमुइदुवंरणमुमुहंकर॥साणासीहसहूलकुम्मकोइल
खरकुंजर।मअणमच्छतालंकसेससारंगपओहर।।कमल्लु
कंदवारणफरभजणसबुअजंगलुइअगठिलहइ।सत्तुसुस
नुसमत्तुसारसुसरसुछप्पअणामपिंगलुकहइ।मेत्तमआ
रूपिअसिद्धबुद्धिकरणकमलाअतेधवलमलउधुवक

णाउकिंसपुरं जरउमेहा॥ छउ॥ जिम्हगणवच्छसलि मरसद्धोणावरं
गमणा॥ हत्थगागआणरत्ता णणणहोउ जमत्तसेहत्तकुसुमाव
रू॥ तादिप्पसंखु मवसुसहमुलिणाआराआपिंगलुकहइ॥ छप्प
आणामएहनहिछंदआरपमयरिकहइ॥ जेत्तेसव्वेहोइलहुअ
हविसज्जेइतामः॥ तइ बिविसज्जहिएकसरएहिपमाणेणाम २६
॥ ॥ इतिषपदप्रकरणं॥ ॥ चउमत्तगणोदंकरहगणचारिग
इ॥ ठइअंतपओहउपाइपाइ॥ चउसठिमत्तपअफरइइंदु॥ एम
चारिपाअपअकरिअछंदु॥ जहा॥ जेगंजिअगोलाहिवराउ॥ उ
दंउदंउजसुमरपसाउ॥ गुरुविक्कमविक्कमीजणिअजुअ॥

ताकणपरक्कमकोइबुज्झ॥ ॥ पज्झलिआ॥ सोलहमत्तापा
उअलिज्जह। वेविजमकाभेउअलिज्जह॥ होणपओहर॥
किंपिअलिज्जहासुपिअअंतपणछंदलिज्जहु॥ हंजहा॥ ॥
जहिआसारविदेहादिएहउ॥ सुथिरजाहणारजालिएहउ॥
कालिंजरजिएहिकितोथप्पिआधणअरज्जिअधम्मकेत्त
प्पिआ॥ लडउगउएकालिम्मणहिजेहा॥ पअप अलेकचहउ
त्तेमरेहा॥ सुकरहफणिंदहकंठहवलअंसोलहमत्तपाआकु
लअआ॥ जहा॥ सिरएक्कजहपावइपितामंजावीसपकाठमलि
चाइंकरएक्कजउंसधउपाआजोहइंरकसोइहउराआ॥ पा

णकलंकं॥ ॥पढमविरमइ मत्तदहपंच॥ पअबीअवारह
ठवकुानीअगाइंदहपंचजाणहु॥वारि मएग्गारहहिं॥पं
चमिंदुइदहपंच आणहु॥ अहासछीपूरवकुअग्गोहेहाद
दु॥राअसेणसुपसिद्धरअरहु मणिज्जइएह॥विसमनिक
लसंठ वहुतिणिपाइक्क करडुइदह॥पढमएारैदकिवि ८
प्प॥अंतविमनअवरपअासमपअविअपाइकसवल
हुअंतविसअक॥चोत्या सरणविवारिएकलकदिएलिअ
कएमपंचपाअहइवणाकरवहुणमपिंगलुकहइ॥ठविदो
सहाणदोहावरणाराअसेणरइअपणइ॥जहा॥जमरमकअ

रफुल्लुअरविंद॥णवकेसुकाणणजुलिअसवदेसपिकरा
वबुल्लिअ॥सिअलपवणलहुवहइमलअकुहरणववल्लि
पेल्लिअ॥चित्तमणोचवसरहइदूरदिगंतरकंताकेमपरिअ
प्पुउवारिहुउएमपरिपल्लिअउदुरंत॥करहीणंदामोहणी चाउ
सेणातह्मअहराअसेणानालंकिपिअ॥सत्तवत्थुणिफंद॥परा
मतीअपंचमपअहतेरहमत्ताजासु॥बीअचउत्थएआरहहिक
रहिनणिज्जइतासु॥करहा॥पढमतीअपंचमपअहमत्तहोइ
दहचारि॥बीअचउत्थएगारहहिणंदमणिज्जविआरि॥णं
।पढमतीअपंचमपअहमत्ताणवदहजासु॥बीअचउत्थएआ
रहहितंमोहणितिमुणिज्जासु॥मोहिणी॥पढमतीअपंचमपा

अहमनादहपंचाइइंगा वीअचउत्थावारहहिं नइणामहिल्ला
इं॥ चनी॥ पढमतीअपंचमपअहमत्तापणरहजासु॥ बीअच
उत्थएआरहहिं वाउसेण नणिआसु॥ चारुसेण॥ परमतीअ
पंचमपअहमत्तपंचदहजत्था॥ समवारहअउएकदहराअ
सेण नएफ तत्था॥ रानसेण॥ ॥ पढमतीअपंचमपअहमत्तेस॥ १८
उहजासु॥ समवारहअउएक्कदहताल्वकिण नएउ नासुता
लंकिणी॥ ॥ रङ्गात्रकरणंसमात्तं॥ ॥ नएफ पोमावत्तीठाणं
ठाणं चो मत्ताग ण अद्याआ॥ धकअकणो कर अलविप्याव
रलोपाअ उप्फिद्धाआ॥ नरयओहरकिमइ मणो हरपाउइ
तहलोइक्क गुणो॥ पिअरहसंतासरकहउवासइ॥ इअ वंग

लचरित्तगुणो॥ ॥ जहा॥ ॥ नएचं जिअवंगा नेगुकलिंगाते॥
लेंगारण मुक्किं चलो॥ मरहद्दधाधिया लगि अकछोसोरवा॥
मोंअपाअपले॥ चंपारण कंपापव्वअकंपा ओत्या ओत्या॥
नीवहरे॥ कासीसरराणा किअउपआणा सविज्जाहरलएमंनि
वेरे॥ ॥ पन्नावती॥ ॥ दोहालक्कवणपटमपाठिकवहअघा
णित्तनाकुंडलिआवुहिअणमुणउक्खालेसंजुत्ता॥ उक्खाले
संजुत्तेजमकसुद्धउसव्वहिज्जइ॥ चउआलहसअमत्तसुक
इदिठवंधकहिज्जइ॥ चउआलहसउमत्तजासुनएफहसण
सोहातेकुंडलिआनापढमपाठिअरजहदोहा॥ ॥ जहा॥ ॥
ढोल्लामारिअढिल्लिमहमुछिअमेच्छसरीर॥ पुरजज्जोल्लामल्ला

वरचलिअवीरहम्मीरा।चलिअवीरहमीरपाअभरेमेइणि।
लीकंपइ।दिगमगणहअंधारधूलिसूररहढंपइ।दिगमगण।
हअंधारआणखुरसाणकओला।दवलिदमसिविपक्ख
माउढिल्लीमहढोल्ला।।पढमहिदोहाचारिपअचउपअकव
हदेह।।एमकउलिआ।छप्पअपअपअपअनमककएणउकं १५
उलिआ।।पअपअववउजाणिगअणगउमत्तविहूसिए।।
णाअउवीसकलअसरअगालगुरुलहूसेसिए।।पढमहि
मत्तचारिगणकिज्जइगणतपअसिओ।।वीसकवपलजहि
पअहपिअउतसंतविआसिओ।।पढमहिचकलहोइगण
अंतहिदिज्जइहार।।वीसकवरगअणगणएउमत्तपचीसवि।

आऊ।। ।।जहा।। ।।जेंबिअमलअचोलवइववलिअगंजिअगुं
जरा।मालवराअमलअगिरिलुक्किअपरिहरिकुंजरा।खु
रसाणखुहिअरणमुहमुहिअरणमुहमुहिअलंघिअसाअरा
।हम्मीरचलिअहारवपलिअरिउगणकाअरागगणाग।। ।।
आइइंदुनरेदापढमहिदिज्जइवेविधएहरं।।तहपाइकजु
अलपरिसंठुविविहविचित्तसुंदरं।।सरसइलइपमाउलहिपुह
विहिकरहकइचकइएण।।मकुज्झरचरणअंतलहिरइजउ
होअरमणाइवुहजणा।।उकालुमहसंगविकउचकलपंच
उवेउअंतहिएककाहारइदेहोअरउंदकहेउ।।एदाजहा।।

णावंदेववेविठ्ठक्कं तउ गिरिवर सिहरकंपिओ॥ तयगअपा
अघाए उव्वेतउघुलिहिंग अएगं पिओ॥ ए आदेवहंधवाव
रिवरणवगए कमणालए अणिवुह अए मए सुदहंतु
जिमससिरअणि सोहए हद्दपुण विंअ अविरइ विडपचग
अवगमणिरगण परफणिवइमणाहु मदवुह अएमोहा। २०
एए एविडुदलणावपल विपगएनोहवु अंतरवेउ।मनए
आ लिसरखंजपअदद्दहूं गएतण्णि मुणेउ १० नेहा॥ महिलल
इअहिपत्तइमि चलइ रखलइ ससिपुमइ आमिअमिअवम
हूंइ मजिल जविअउव्वए।पुण्कघमइ पुणखमइ पुणलल

इपुणउचलइ पुणुधुमइ आमिअवमइ विविहपरिसमरविव
रखंजा। समिवअणिगमगमणि पअपआदिअछगणपअ
हूरहससिकवपछपछमविविलकपअलिदिअगणसहिउ
जुअलदलपणाइससिकवर मत्तअठाइसपछमेवी एवत्तीस
मत्ताइं पअपअअंतेलहुअंअदासिकवा विआणेऊ॥ २१॥
जहा॥ फुल्लिअमहुअ भरवहु रअनिपहु किरणलहु अवअ
अरुवसंते मलअगिरिकुहरधरि पवणावह सहवकए
सुणसहि णिअलणहिकंत सिखा॥ पछमचरणसमिवअ
णिमि अएआणि णवदिअगणापअअलपुणाविनहरणगवहु

अनएकणो॥ पिंगलणो अनणोता मालासेसस्मिगाढस्स पप
ढमहोहइणवविप्पगणा जो हलकणो ठ वे ऊ॥ गाहा॥ अंतदइ माला
छंदकदेकु हावरि सजलजमइघणगज्जणा जलब्धपवणा॥ मणह
रणअपिअरिणो वरविजुरि फुल्लिआणीवा॥ पत्थरविथ्यरहि २१
अणा पिअणा णि अलंणआवेइ॥ ७॥ माला॥ चलिआला जइ दे
हकि अदोह उप्पर मत्तह पंच दइ॥ पअ पअ पअ परिसंववइ ऊ ध
वकुउ मगण अंतहि दिज्जइ॥ पा॥ दोहसंखासंववइ उप्पार पं
चइमत्त॥ अवदइ पारिवासइ इचलिआलउ कि वचन एव्वह
॥ रा अलुद्धसमाजखलवड करिहारिणिमेवधकत्तउ॥ जीवण॥

वाहसिसुरखजइ॥ परिहइ जइ वडुगुणा जुत्तउ १०-वुलिआला
॥ सोसोरठ अजाणजेदोहाविवरा॥ अणिआ॥ पअ पअ जमक
धखाणा॥ चअ आपिंगले कंहि [illegible] हसासेमुणि अ
उण मंतजासु मत्त पंडि [illegible] जासु घरिणिगुण मंतिम
विपुहविमगाहिलिअ॥ १२॥ सोरठा॥ मक्षागअ मगणा॥
दिअ मणोहा॥ मत्तव उदहपअ पलहो॥ संवइवं [illegible] रइ वठ
हाकलिन्न अउए मकहा॥ १३॥ जहा॥ उ घवउ भ्रपणविमल
घरा॥ तरुणी घरिणी विनअपरा॥ वित्तकपूरल सइहरावरिसा
समअ आउ कव्व करा॥ १४॥ हाकलि॥ जस्मपलइसेकहा॥ पअ अरअ

एकं।।चउमत्तवेवि।मकणारएवि।।१५।।जहा।जहाँसुवंदसा
सविंघएण हदीसा।ओसंजुएउ।मगसुकवेइउ१६मक्कणार।।गा
हमत्तकरीजंअंतपओहरदीना।।एकुसडंदसहार।जंपइपि
गलधीर१७जहा।संदरिगुज्जरीरिणारिंनो।आपदहवि।
सारि।पीणपओहरभार।लोरइमोत्तिअहार१८।।अपीर २२
।। ।।कुंतदएउदएकधनुह्अवउगअवउएपाउविविपार
कुदले।।वनासमत्तहपअसुपसिद्धउजाए।।।उवुहअणि
अ

अवले।।सउवीसपअगालकलसंपुणउन्नूअउफणिनासि
अउहणो।।दउअलणिसुन्नउगुउसंजुनउपिंगलिआजंपंतमा
णो।।२०।।जहा।। ।।राअहनगोनादिअलगोनापरिहरिहपग
अघरघरिणी।।लोरहिनउसरवउपअपरूपरिकउलोदइ
पिदइनएवसणी।।पुएउघरसंनलिकरदंतगुलिवालत २२
णअकरजमलकेर।।कासीसवुराआएहकाआकरमा
आवुएपप्पिधमे२१दंउका।। ।।सिरदेहचउमत्ता।।लहुएक
रैकरअंतांदेनेकंतसुमजा।।दीपकसोहवुजक२२जहा।। ।।
जसुहव्यकरवाल।।विप्पकवकलकाल।।सिरसेअवरहना

संजुत्ता ससिमत्ता॥२७॥ दोपदक्का॥ गाथा॥ विप्पसगणा धरिपत्र
ढ्ढु पञ्चं॥ मएकंसिंहि अलोश्र मुछंडवरं॥ गुणिश्रणमणो जु
जक्खा॥ श्रमणो तिसुनगलगुणा जगणेएक णगणा॥२८॥ जहा
॥ हणउ अजोरगुजजोररा अदलो॥ दरदलि अवलि अपरहघकु॥
लं॥ वलेमालि अमालवरा अकुला॥ कुलेंउज्जलकरवुलिक २३
णा॥२९॥ विप्पसगणापअवेविगणाश्रं तहिदिज्जउ हातुं पञ्च
हेरिक विन्नकउसोलहकपन्या॥३०॥ सिंहावलोक॥ गज
ण्य पटमछञ्चमत्त पञ्चसप्पइ दिज्जए॥ पंचमत्त चउमत्त गणा
णोहिकिज्जए॥ संजलिञ्जं तलहुजुउए ककठामएमद्धि मवंको

मछंदविलक्खवणा सोहए॥३०॥ पञ्च पञ्च आइहिगुरु अपिंगल
पभणेणइ॥ सव्वलणि संती॥ छंद पवंगम दिठ्ठोमत्ताणं एअवीसंति
३२ जहा॥ णाचइ वंचलविज्जुलिआसहिजाणए॥ वम्म हरखगगा॥
किणीसइजलहरसाणए॥ फुल्लकदंव अञ्बंवरउंवरदीसए
पाउसपाउघणाणा सुमुहि वरीसए॥३२॥ पवंगम॥ गुरुलहुणा
हिणिम्मणिम्मणहिअकवरपलइपओहरविसमसमंज
हिकउणहिणिम्मत तैरलहुरअज्जिसमपसरविदिसहि
सअगमगमंजणपंचचउप्पइअपलहइनिरंतरअंतस
गणाधकअकंतगणोपरिचलइसुपरिपरिलालिलावहकल

वत्तीस विसाम करे॥३९॥ जहा॥ घर लग्गइ अग्गि जलइ दह
दह कइ दिगमग णह पह अणल भरे। सव दीस पसरि पा
इक्कल लुरइ धण थणहर जघण दिआव करे। भअ लुक्किअ थे
रि तरुणि गण भैरव भेरव पेरिअ अस दए लोमहि लोद इ पिइ इ
रिउ सिर टुट्टइ जक वरा वीर हम्मीर चले ३९ लीलावती॥ गण २४
चारि पंच कक्कल ठ विज्ज सुवा अठ इहि छक्कले। पअ पअ अहि
अ तहि गुरु करिज्ज सुव सारो॥ सुसघवो दह ठाइ तक्किइ इ
हदु आ णाम तअ धारिह सअ॥ हरिगी अठ इ पसिद्ध माणउ
पिंगले णाए आसिअ ४० वीए छक्कल तुम विकउ चारि पंचक

ले देहु॥ वारह लहुअ रम तसउ माण पुअंत ठवेउ ४१ जहा गअ
गअहि दुक्कि अ तरणि लुक्किअ तुरअहि जुज्झिआ रहहि
हि मीलि अ धरणि पीलिअ अप्प पर णहि बुज्झिआ ४२ बले
मिलि आइ पत्ति ताइ कंप गिरिवरसीहरा उच्छलइ साअ
र दीण कअर वहर वहिअ दीहरा ४३ हरिगीता॥ पढम दह रह
णं अवविरह णो पुण वसु रह णो रमरणं। अंते गुरु सो हरहम
हि अलमोहइ सिद्धि सरोहहवर तरुणं ४४ जइ पलइ पअ
हर कि मइ मणोहर रह णइ कलेवर तासु गइ॥ तिमंगी छंद सु
रखाणंदे न णाइ फणिंदो विमल मइ ४५ जहा॥ सिर किज्जि

अगंगंगोरिअधंगं दहणा अमणोगं पुरदहणों किंअ फणिवइ
णीवरहारं। निद्धअणसारं वंदिअ छारं रिउ महणं ४ सुरसेविअ
चरणं मुणिगणसरणं नवअ अहरणं रत्तलधरं।। माणं दिअ
वअणं सुंदरणअणं गिरिवरसअणं णमह हरं ४७ तिजंगीती
सदइ मनेण रिसि जुत्तेवु हआणरा अववं तिणरा।। विसमं निअ २५
आमहिणरिस जाअहियं अपअदासइकणघरा।४८।। तादहप
टमं चेअवदोअ चेवउ दहाकिअ णिलओ।। जो परिसिद्धं देति
कअणा वंदे सो जइ खु जउ दुस्सिलश्रो ४९ जहा।। जे किंअजि
अधालाजिए उणोमालो दंतापिदंत चेलो जं जा विअचीणादप

हिंतीणाहो हावलहाकं दपले।। ५०।। ओझाओझा विअकित्ती
पाविअमालवराउ चलो तेलंगाणीं गअवडुलिणल णिअका
सीसरराजखण चलेपरड मिलका।। णाउयचणाते णिढग
णाखंतकरहि जोहलं हाउठविआ। जं पुणु पिअविप्पगणाहि
सवलं तिणिघरा हें वेवि करहि मत्त पअहिलेरखए।। कवण
जणाइदप्पेंन णाइहारसु कइ पकखए ५२ जहा।। घिकदवल
थोंगदवलतक्क दवलहिंगए।। णाणारयकटदिंगइकटरंगचल
तुरंगए। धूलिधवलहक्कसवलदेरखपवलपत्तिए।। कणचं
लइ कुम्मा ललइ दंतमिमरइ किन्निए ५६ हारा।। पअपढमपलइ

जहिँसुणाहिकमलकु हि। दहवसुपुणु रसुविरइ करे। सवाकि
आकिंहि अदिम्मगणपरहिदिअसगणासिरि फलि वहमणसु
कइकइवेरे।। दहनिगुणीकरहि कबपुणविउवज्जुअवलएमप
रिपरिठकेवउअवरएण।। जरपलहकवेक्कुगउकठवेक्कुएपरिठ २८
उवुहअवएणमएणहरजणहएणपवन्नीसहोरमनामंतेसगएण।
इंठवेक्कु।सबलहूजरगउआएकोबोविविवापाए पाएँजहा
।।खुरेरखुंहिएखुलुकिमाहि।वघउघरकलहिएणगदिरंग
तुरंगले।टटजदिपलइ।रपघसइघरणिवपु।चवक चमक
वउदिसवपले।।वकुमकिदलकदलवइपइकपजघुलुकिघु

लुकिकरिदर।वलिआ।।घरमएसवरकमलदिपरखहि
अअसलहमीखारजेवरणवलिआ।६।जलहरएण।।।पि
अमणरमणोहउपोल्लिपआहर।सुरुवअसुहावरणखर।
णोथिरकरहिमणो।जइराअविवत्तिउअएफसरखत्तिउक
विकएवाहिछंडउमणो जेमखलइरिणोवेविसक्वपहिद्वि
अतुरअवहिद्विअगअरहपआपसरंतघरागउसज्जिप
रा।जइजगितिहचेउदहगएणवुत्तउवउसंघहिवालीसघ
राणएउमअएणहरा।दरवेविमनसिरगविककघआअंमे
करेक्कु।।णवचमकलगएणमक्ककरिमअएणहपाइकेहेक्कुदु

जहा॥ जिणि कंस विणासिअ कित्ति पआसिअ मुट्ठिअरिट्ठ वि
णास करु गिरि हत्थ धरु। जमलज्जुण भंजिअ पअभर गंजि
अ राहा मुहमुदु पाण करे जेम भमर वरे। चाणूर हं तुज्ञ्चक
ल मंडिअ कालिअ कुल संहार करु जसे भुअण भरु। सो तु
म्हणाराअणा विप्पपराअण चित्तह चिंतिअ देउ वरा भअभी २९
अहरा॥ ९५॥ मअणहरा। एक्क बेडुमुल कवला नणाइ विध्र
अ कवणा जपइ पिंगल णाऊ॥ विसम पइ देहु अक्खर पुण सत्त
विकलर पुण एआरह ठाऊ। गगणा आइहि छक्कलु चउ पंचा
कलु अंत गुरु लहु देहु॥ सउ सोलह सगा लम त्तसम गा लम

ण मरहट्ठा एहु॥ ९६॥ जहा॥ जइ मित्त धणेसा ससुर गिरीसा
तहवि पिणद्धे दीसा जइ अमिअह कंदा णिअलहि चंदा तह
वि हु भोअण वीस जइ कणअ सुरंगा गोरि अधंगा तहवि हु
डाकिणि संगा॥ जो जासु सहावा विदे वसो जावे कवडुणा होनहु चंग
॥ ९७॥ मरहट्ठा॥ तेआ कग्गाहा। विग्गाहा। उग्गाहा। गाहिणि सी
हाणी। खंधा दोहा। उक्कच्छा रोला। रवंजा। चउपइआ। घत्ता उल्ल
ला। कप्पूरा। पज्झटिआ। लीला। कुंडलिआ। ण गणपआ। पड
मा। कुंडलिआ। गअणंगा। दोवइ। खंजणा अ। सिकवी। माला। चु
लिआ। जा। सोरट्ठा। हाकलि। मऊ। णारा। अहि रद्द दंडअ मदीपका

सिंहालोअ पवंगमा॥ लीलावई॥ हरिगीआ॥ तिभंगी॥ दु
दुम्मिला॥ हीरा॥ जलहर मअणहरा॥ मरहट्ठा॥ तासीस घरा॥॥
इअ पिंगल कहिअ मत्ता वित्त परिछेअः॥ ॥सो सो जं गो॥ ज
हा॥ गोरी रकखे॥ श्रीः॥ दोहा वीहा मोरा मे॥ जहा॥ तु जे तु॥ २८
जे स्ट हं देऊ॥ कामा॥ लक्कुत्तुअम कुक्कन्ना॥ जहा॥ हर हर मम॥
ला॥ मधु॥ लगो॥ जहा मही कही॥ जहा॥ सोहेउ मा॥ रखो तुम्हा
॥ महा॥ सातु एह गो विरहा॥ जहा॥ संभु एक॥ सुक्ख देऊ॥ सा
उ ताली॥ जा णीए॥ गोकणो जीवणो जहा॥ तुम्हाणं अम्हा
णं॥ चंडेसो रिक्खओ सो॥ ताली॥ हे पिए लेकिवए अक्खरे ति

णि रे॥ जहा॥ संकरो संकरो पाउणो पाउणो॥ प्रिया॥ ससी णो
जहा॥ श्रो फणिंदे नणी श्रो॥ जहा॥ नवाणी हस त्रीडरि त्राह
रंतो॥ ससी॥ सगणो रमणो सहिओ कहिओ॥ जहा॥ ससिणि
र श्रा णी पहरणा॥ तेउणो॥ रमणा॥ नकार जे दि वपंचालउ कि
वा॥ जहा॥ सो देउ मुकुंदं संधारि डकवाइं॥ पंचाल॥ एरिंद
ठवे द्दु मई दकेरं दु॥ जहा॥ डरं तवसंत दिगंत सकंत॥ मगेंद्र॥
पो जहि सो सहि॥ मंदर सुंदर॥ जहा॥ सो हरतो हर संकर
से हरा॥ मंदरा॥ कमल पणअण सुम्महि लगणा॥ जहा॥ रमणा ग
मणा कमणा मैंक मणा॥ कमला॥ ३॥ चारी हारा॥ अवाकाला

णिएोकणाजाएनिणा।जहा।जाआमाअपुत्ताधणताएसेजाणी
किजेउञ्जाताणीवणचारिसुद्धिमारिविणीहारिदोमसारि।जो
हा॥दैउदैउदैउअग्रदैउॐजासुसीसर्वंदरीसाधारी॥पञ्जोहरो
गुत्तरोणगाणिअमनाकिआ॥जहा॥ ॥सरस्सइपसणिहोक २७
विज्ञसाफुरंतिदोणमाणा॥४॥संमोहातेअंदिठ्ठोसोमसंअंवे ३
कणाहारोमसंतासारे॥जहा॥उइंजचंमीदूरिताखंजा॥तेणो।
कामोकवंदेउससौमोकवं।संमोहा॥आइहिंअंगतेहारसउ
णो।मज्जेकंगंधोहारीअवंधो॥जहा॥जाणत्तिजुत्ताधम्मेकचि
त्ता॥माहारदारी।धसा।पिआरी॥हारा।पिंगलठदिठ्ठोमहइसिणो॥
केसोउदिज्जोहंसमुणिज्जो॥जहा॥ ॥सोमउकंतादूरदिगंता॥

पाउसआवेचेउदुल्लावे॥हंसा॥सुपिअपणासरसमणासरह
गणा॥जमकगुणा॥जहा॥पवणवहसरिरसह॥मञ्जणदणप
इसमणा॥जमका॥वाराहामचाजे।कणतीआहोत॥हारा
छक्का।वंधो॥सोसाराछेदो॥ ॥जहा॥जुज्झंतोउद्दामकालिका
संगामेणअवंतीसंहारे।दूरित्ताहम्मारो॥सेमपिमज्जिघोक॥
सगणेणजुअंकछवणपञ्जो॥कलअविधञो॥जहा॥पि
अपत्तिपिआ॥गुणमंतसुआ॥धनजुत्तघरा॥वठ्ठसुपक्कक
रा॥उछ्ला॥अकवराजेछजा॥पाअपाआदिआ॥मतपेवा
उणा॥विणिजोहगणा॥जहा॥केससंहारणोपकिवसे

न्वारणो दुवेइ तिन ख्या॥ दिउसो णि जस्सा॥ विज्जहारउ उच्चउरंमा॥
फणि वइपासा॥ दिन्नवरकणो फुजरसवणो॥ जहा॥ नयणस्स
णं होति कुच्चणवंदे॥ नमरस्स वणो सजइ कणहो॥ चउरंसा॥ को
माचरेण॥ अद्वेणपाए णामत्ताद हाउब्भमं थाणसो बुद्ध॥ ज ३०
हे॥ राआ जहा लुद्धपंति कोमुद्ध॥ किन्नी करेर कव॥ सो वाद
उप्पेकव॥ मंथाणा॥ खग्गावणवधाणु अंगा पच्चक्खा॥ पआपाअ
वारी॥ कहा संखणारी॥ जहा॥ गुणा नस्सन्भवा॥ वहूतू अमुद्धा॥
घरेणि नजगा॥ महीनामुखंगा॥ संखणारी॥ धच्चसरवाच्चमा
णागुणानी अरइ लुद्धअंता॥ समालइकंन॥ जहा॥ करापसरन्नवहू

गुणमंता॥ पकुछि अकंदा कुच्चासहि चंदा॥ मालती॥ दिन्नवरकि
अननाहिं सुपिआ दमणअम्म रपफणिवइलणा॥ जहा॥ कम
लणआणि अपि अव अणि॥ तउ णिघरिणि मिजइ जे पुणि
दमनक॥ वारिहार किज्जइ॥ तितिगं धकिज्जइ॥ सच्चअकव
रांठिआ॥ सासमाणि आपिच्छा॥ जहा॥ कुंजरा वलंतमा॥
पवआपलंतआ॥ कुम्मापिच्छिकंपए॥ धूलि सूरं पए॥ समा
णिका॥ नणउ सुवासउल्लकु सविसेस आरद्व चाउमत्तह
गगणाहस्सेतहा॥ जहा॥ गुरुजणमनउ॥ वकुगणानुत्तउ॥
जसुतिअपउ॥ सोपुणमंतउ॥ सुवासा॥ चरणगणविपा

पढमत्तइ अठ्ठ ॥ जगणातसुअंतं ॥ मणाइकरहंच ॥ जहा ॥ जिवउ
जइ एहु तजउग इंदुहार मणा जइ सोइ ॥ विरइ न एह होइ ॥ का
रहंच ॥ सत्ताइ हीहाजाणोहि ॥ ऊंकणानीगोमाएहि ॥ चागइ
हो मत्ता णासीसा तूं उंकुंदाणा ॥ जहा ॥ चेइ कुंदाएकासा ॥ ह ३१
राराहंसा ॥ जेजे सेत्रा विणीआ ॥ तुम्हा किंत्रा जिणाच्छा ॥ सी
सत्रपकं ॥ ७ ॥ विज्जमालाम त्तासोला ॥ पाएकणाचारखो ॥
ला ॥ ८ ॥ अंतत्रअंचारीपाआ ॥ उत्तारवत्तविज्जराआ ॥ जहा ॥ उ
म्मत्ताजोहा दुक्कंता ॥ विपक्खवाम जेल्लक्कंता ॥ णिक्कंताजंता
धावंता णिक्कंताकिज्जीयावंता विज्जुम्माला ॥ जहा गुत्ताणिरं

जरा ॥ पमाणि अठ्ठअरखरा ॥ पमाणि दुणाकिज्जए ॥ णराउसो
नणिज्जए ॥ जहा ॥ णिसुंभसुंभखंडिणी गिरीशगेहमंडिणी ॥ प्र
चंडचंडखंडिणी ॥ पसण्णि तुच्चंडि ॥ प्रमाणिका ॥ हारगंधबंकरे
णादि ठ्ठअठ्ठअवखरेण वारहाइ मत्तजाण मल्लिआसुछंदमा
णा ॥ जहा ॥ जेणाजिणउखत्तिवंसरिंठि मुच्छिकेसिकंस ॥ बाणपाणि
कदिठ्ठ ॥ सोइतुम्हसुक्खदेउ ॥ मल्लिका ॥ तरलणअणितगोपढ
मगणसुरंगो ॥ णगणजुअलवद्धो गुरुजुअलपसिद्धो ॥ जहा
॥ कमलभमरजीवो सअलभुवणदीवो ॥ तविअतिमिरदावो ॥
उअइ तरनिविंबो ॥ तुंगा ॥ पढमगणविपक्खो विक्कतहणरिंद

आ॥ तुज्झ सहि अ अतिणा। कमलए मज्झत्तिणा॥ जहा॥ सजलच्छ
जणइ लोअ अच्छर ऊलमइणं। गोउच्छ वरवाहुणो वलि पुच्छणा स
हणो॥ कमलादि वजोणा गणातिणिआ॥ ओणा छराएणजा
विणिआ॥ मास अद्ध लपा अ विअं जाणमुद्दे महालछिअं॥ जहा
॥ मुंडे मा लोगलोकं ठिआ॥ णा अराआ मुआ संठिआ॥ णा अरा 32
आ मुआ संठिआ॥ वग्घच्छ धाकिआ वासणा। चंडिआ पापसि
हासना। महालच्छी॥ दिअ वेरीणो सअणं॥ पअ प अ मत्ताग
णाणं॥ सरमुणि मत्तालिहिअं॥ सहि सरगि का कहिअं॥ जहा॥
हरिणा सरिस्सा णअणा कमल विकास ावआणा। जुअ जणा चित्ता
हरिणा थिअ सहि दिछा ते तुरणा॥ सारंगिका॥ कत्ता पुत्ता जुअलहि

अं। तीए विप्पो धम्म कहिअं॥ अंनेहारो जह जणि अंपाइत्ता रूर
अउ कहिअं॥ जहा॥ फुल्ला णा पान मरव वराहि वामेहा नलस
मरा। णा वे विज्ज पिअ सहिआ आवे के ला सहि कहिआ॥ पाइत्ता
॥ सरस गणार मणिआ दिव अवरड पअलिआ। गुत्थ रिअ पर प।
ओ। दह कल मत्तओ॥ जहा॥ वलइ वल त्ति नएसो णे सर तउण
त्त वेसो। सुउत्तम गुणक वद्धा थिर रह इकित्ति वा विंवा॥ जसुवा
इह व्वच्छि आणा तहवेपओ हर जाणा। पजणो इणा उणारें दएम
ममाणा तो मरछंदा॥ जहा॥ ॥ वलि ऊअ को इल मावा। मऊमा
सपंच मगावा। मणा मजऊव मम रुता व॥ णाऊ कंत अज विआव
॥ तो मरा। णा आरा आ जं पे सारा ए॥ चारी कण अंते णिराए॥ अवारा

हो मत्ता पा जाए ॥ तं आ माली छंद उ पूसे ॥ जहा ॥ जणउ वि कुसुम हं
धारा ॥ पपुष्फा णीवा सद्द मोरा ॥ वीअ तो कं तास ॥ आवाआ ॥ कंपं
पंता को आ कं ताणास्स ॥ त पमाल ॥ जसु आइ हत्थ विआए ओतह
वि पओहर जात्ता ओ ॥ गुरु अंत पिंगल जं पिओ सो इ छंद संजुत्त थाप
ओ ॥ जहा ॥ कुरु जा कुसंहरि आप्पाए ॥ परितो ॥ जिण घप्पण किव 33
संतके अह संपुफुल्ला ॥ पिक्क एहि आवि हेव फुल्ला ॥ संजुत्ता ॥ कारठ
वीजे का हल अदृ जे ॥ कुन्ति अपुत्ता ए गुरु जुत्ता ॥ हत्थ करजिहार
ठवीजे ॥ चंपअ माला छंद कहीजे ॥ ॥ जहा ॥ ॥ रोगर मत्तारं प
अपत्ता गाइ को घन्ना तुं दें मैं संजुत्ता ॥ मेहणीमं छाणा लिच गुज्झा
दिजे इ कं ता रवा पुणमंता ॥ ॥ चंपक माला ॥ ॥ दो हल हत्तजे अहि

हल हू ॥ सा खइ छक अ छंद कह ॥ अंत पओहर वाउ घआ ॥ वो
दह मत्ता विरामक अ ॥ जहा ॥ ॥ पुत्त पवित्त वहुत्त धणा ॥ पत्ति
अ हुं चिनि सुद्ध मणा ॥ हकं नरा सइ भिच्च जणा ॥ को कार वव्वर
सगा मणा ॥ सारवती ॥ कणो पअलो हत्थो जुअलो ॥ कणोति
अलो हत्थो पअलो ॥ सो जा कल आ छ क्का वल आ ॥ एसा सु
समा दिट्ठा सुखमा ॥ जहा ॥ जोंहा कविला उच्चा णिरला ॥ मज्झ
म्मा पिअला णेत्ता जुअला ॥ रुक्खा ववरणा दंता विरला ॥ को
इ सोजि विआ ता का पिअला ॥ सुसमा दिअ व रहार थप अ
लिआ ॥ पुण वि त ह घि अ करिआ ॥ व सु लहु वे गुरु साहि आ
आ अमिअ गेइ धक अ कहिआ ॥ ॥ जहा ॥ ॥ सहंर असु हो अरव

अणाव वलसरीरुह हाअसणा।। मत्त गलउंजर गमणा पिअ
सहि दिव्वा तरुणा।। अमृतगतिः १० णील लसन्तिह एम करीजो
तिणिण गणा गण नद्धधराजे।। सोलह मत्तह पाअ ठवीजे उग्गु
रु अंतहि वंकउ होजे।। जहा।। पांउ व वंसहि जम्म करीजे। संप
अ आजिअ धम्म करीजे। सोउ पहिहि रसं कउ पाआ। देवकं ३४
लिकित्ति अकेणमेणा मेटा आ।। बंधु।। दिअवर हार लहुजुअ
णा।। वलअ परि ठिअ हत्थ हलापअ कलय पोदजं पअरहि।।
कइवरवाल्हड़िहो सुमुही।। ।।जहा।। ।।आइ वलजो ठुणदेह
अणा सिजिए अ सो अरबंध अणा। अबसकु का पुरएणा। प
रिहर वव्वर पाप मएणा।। ।।समुहा।। ।।चामरकाहलजुगाठ

वीजे। हार लहू जुअत्थ धरीजे।। कण्णगणा पअ अंतेठ वीजे
।जहा।। अछंद फणपमणीजे।। ।।हंसजा।। ।।पिंगजटा वलि
ठाविअगंगा।। धारि सणा अरिजे लिअधंगा। चंद कलाजसु
सीसहि णोकवा। सोतुह संकर दिज्जउ मोक्खा।। दोधक।। कं
णो दुलो हार एक्को विसज्जो। सद्धा कण्णा गंध कण्णा सुणिज्जो
।।वीसो रेहा पाअ पाए तणिज्जो।। सप्पाराए मालिणी सामुणि
ज्जो।। ।।रे आरं आदिकि वहाधम्महारा।। मज्जे मंसंपिज्जेएरख
जेए आ। चिक्कवा चेज्जेव मम खंडं चमज्जा को लोधम्मो क
म्मणो साहिरम्मो।। ।।मालिनी।। ।।दिअवर जुअलअउ
अले।। पअ पअ पअलि अवलअौ। चउप अ चउवम्मु कल

ड्ढं ॥ इमस्सा अजणफलियाचचियंमि ॥ ॥ जहा ॥ ॥ पज्जलिअससस
हरवअणं ॥ विमलकमलदलणयणं ॥ कलिअअसुरकुल
हमणं ॥ पणमहसिरिमउमहणं ॥ दमनक ॥ ॥ तालणंदणस
मुद्दनेआ ॥ जो हलवेसा कुंददरऊप्पूरचा ॥ गारहाइ चक्कवराइ जो
णिआ ॥ णाचराअजंपइ मसेणिआ ॥ ॥ जहा ॥ ॥ ऊत्तिपत्ति ३५
पाअमामिकंपिआ ॥ टपोंखुदिखेहें स्सरऊंपिआ ॥ गोउराअ
जिणिमाणमोलिआ ॥ कामतूअराअवंदिठोलिआ ॥ सेणि
का ॥ कुत्तीपुत्ता पंचादिणा जम्मीआ ॥ अंतेकेंनाए को हारामा
णीआ ॥ पाआपाआ मत्तादिणा वाईसा ॥ मालत्तीमालाजे
पंताणाणसा ॥ जहा ॥ ठामाठामाह व्वीज्जहादेकिववआणा

ईमेलामेत्तसिंगोपेकठीआ ॥ वीराहस्येअगोरवज्जंता ॥ णारेमे
हामज्जेविकुत्तणवंता ॥ मालत्ती ॥ दिज्जेरखीराजुअलापएसु
॥ अंतेणरंदगुरुजुगासेसुं ॥ जेपेफणिंदोधअइंदवज्जा ॥ म
त्ताहराअवसरकुसज्जा ॥ जहा ॥ मंवेणतंतेणाहिकिंपि
जोसे ॥ जापांवणोकिंपि गजुप्पसआ ॥ मज्जोंपिआमोप
हिव्वेरमा ॥ पोकवंचजामोकुलमगालगा ॥ ॥ इंदवज्जा ॥ णे
रैंदएक्का तअणासुसज्जा ॥ पच्छोहराकणगणासुपिज्जा ॥
उविंदवज्जा फणिराउदिट्ठा ॥ पठंतिछेआसुहवणसद्दा ॥ ॥
हं जहा ॥ ॥ सुधम्मचित्ताग्गुणमंतपुत्ता ॥ सुकेमारत्ताविणआ
आसंतुत्ता ॥ विसुद्धदेहाधणमंतगेहा ॥ कुणंतिकेवव्वरसग्गा

णोहा ॥ ॥ उपेंद्रवज्रा ॥ चउ अक्खर के पअ ठ रकिज्जइ । इंदव
विल्लकुमुत्तउ ज्जह ॥ मज्जहि चउदह होउ व आई । पिंगल जं
पइ कित्ति चेलारे ॥ जहा ॥ वालः कुमारः स छमुंड धारी । उप्पा
अहीणा हउ एक्क णारी ॥ अहंण्णिसं खासि विसं भिखारी । ग
ती भविती किल का हमारी ॥ किंत्ती वाली मालासा जाहंसी ॥
मा आजानी वी आवाला । अ हा पदा पेम्मारा मा । रिद्धी पुडीता ३६
सूणा ॥ तारोक णी णा पाए दिणा सवा सारा ॥ पाआ अंते दि
ज्जे कं ता चारा हारा । इण वेआ मत्ता वारी पाआ विज्जाहारा जे
पिसारा णा आरा आ ॥ जहा ॥ जा सुकंठ वी सा दीसा सा सारंग
णा आरा आ किज्जे दारा गोरा अंगा । गघेरा मा मा नत्का मा । लिज्जे

किती ॥ सो इंदे आसु कव देऊ तुम्हा नन्नी ॥ विद्याधर ॥ धन्नो चाप
रोत्त अ आ समारे ॥ ठए कं ठ ए मुद्द एन त्थहारो । चउ ठंद किज्जे
ज्जत ते ह छुद्द दे हं । भुअंगा पआ अपए वीसरेहं ॥ जहा ॥ महा
मत्त मा अंग पाए व वीआ । नहा तिकव वाणा कव्व कवें धरीआ
। भुआ फंस मो हा धणू हा समाणा । अहो णा आरी का महारा
अ सम सेणा ॥ अहिंगणा चारि पसिद्धा सो लह व रणा नपिंगलो
जणाइ ॥ तीणि सआ वीस गाल मत्ता संखा समगाइ ॥ ॥ भुजं
ग प्रयात ॥ हार गंधा न हा कणा गंधा उणो कणा स दात हा विगु
आ गणो वारि ना हा गणा णा आरा आ जणो । एदु न्नप णा लछी हे
रासो पुणो ॥ जहा ॥ प्रंजि आ पाल वा गंजि आ का णा लाजी णा ।

आगुं जरा लूलिआ कुंजरा कंगला मं गला ओ तिआ सुं भआ मे
हआ कं पिआ किन्निआ य प्पिआ लक्ष्मीधरा सब्बेणा फ आ
चारि पलं तं जहा। गणसोलह मत्तविरामकरहा॥ तह पिंगल ब्बप
मिणीआं ठाविआं इ य तोमरछंद वरं रवि झं॥ ॥जहा॥ ॥चव
गुज्जरकं जर तोड्डि देसो। तु ववचखरजीव ण अज्ज णाहा॥ ज ६७
इ को प्पि अक णाएंरद केरा। णाको हरि को को हरिकोहर वज्जध
रा॥ तोटका॥ जा चारि तक्कारसंपे अक्क घासतां गवव्वक्क सोपि
गले दिढ्ढा सारंग तव्वक्क सो पिंगले दिढ्ढा जो तावचासमपा
ए सुपाएहिं। णा नाणिए कंति अलो णाहाएहिं जहा॥ रिगोउथ
कं तितेउ लिपिं जहाइं। पन्नाद्दिवज्जंतु पाइक्क कहाइं॥ कासीस

रा सासरासरा ओ गोणा काह ल्यिका पत्तिका वीरवगोणा सोरग
। पओहरवारि पलि हु हताम ति तेरह मत्त हमे। तिअदा मा णपु
वहिणउ ण दिज्जइ अंता। विकास अच्छगाल हे ष्पण मत्त हजो
। केणा जेउड घर तोडिगरामा। खलखिए णाणि अच्छवणिसा
। क्क हूरवनावडरं तव सं ता किणि इ य का मकिणि इ प के त्रत
पौ क्ति कहा मा। तो ल अ छंद विरा अ व विज्जसु। मो इ अ छंद
हणाम करिज्जसु। चारि गणा पगणा सुपसिद्धउ। पिंगल जं
पहा कि क्रिहि लहुआ। जहा॥ गज्जउ मेह कि अंबर सामर फुल्ल
उणीप कि भम्मउ भमरा। एक्कल जीअ पराहिण अम्ह कि
लेउ पाउस की लेउ वम्मह॥ मोदका॥ णागणा णगणा कर नउग

णासुकरइकमलरइफणि चलणनरलणएहिं आणिसवयहु।सवगुत्तउसं
वलिउविकडु जेहा॥कमलणअणलिणि सपाहुरा।गिरिवरसत्र
णानिबुलघरा।ससहरनिलअपयलअकरा॥विलरउमकुअहिमा
वरा।वरलणअणी॥णागणचामरगंधजुअउवे।चमरसलज
ुआजइसंपवे।रमणएकुपअंतहिंदेकिवआ।सुमहिसंदरहिं ३८
पिंगलिलेकिवआ।जेहा।वहइदकिवणमाउअसीअला।चवइपं
चमकोमलकोइला।मउअरामकुपाणमहुसवागवइसुंदरिसं
पवमाहवा।सुंदरी॥कणाडणचामरसलाउअलाजं।वीणि
दागंधअणगाषअला।तांअंतेकंवाचामरहाडीरासुहकाआ॥
वारेसामनाणजुनापउमाआ।जेहा।एअप्पा।रदेकवुस

राराघरजाआविना।पुत्तासोअरमित्तासवुमाआ।काहेलागीवच्छ
रवेला।वसिपुजेरएकाकिना।किजहिंनुना।जइस्सुजे।।माया।ठ
रआइलहूजुअपाउकौकरीजेगुत्तसलेजुआ।गुत्तसल्लजुया
जो।पअअंतहिंपाअगुनूजुमा।किजे।माहितारअछंदरूणमल
णिं।मोजहा॥एवमंजरिकिज्जिअवूअहगाछोपरिद्धिअकेस
लेआवलआछे।जइएत्थिदिगंतरजाइहिफंना।किंअवम्महए
त्थिकिणाथिवसंना॥तारका॥धआनूरहारापुरओनूरहारेण।
गुत्तकाहवाकेणएकोलहारेण।केइसाकलाकंउ जंपिज्ज
त्ताएण।असोहोइआगलासवपाएण।जेहा॥एरेकुंमनाए
इहंएकवाला।ह।हइदेवईपुत्तनोवेसकालाइं॥तेहागेकुकेसो
जणाणंदकंदेण।जेहांहतिव्वोणिआणरिविंदेण॥कंद।चामर

पढमदिहिपापगणो॥ कआ॥ सव्वचरणा सवरुनंजुच्चा॥ सो जह कुलच्च
पअप्पअजाणि आपिंगलपयणाइ पिंपकसुवालिआ॥ जहा॥ सो जग
जणमेउ सो गुणमंतहा॥ जो करयरउ वआरहसंतहा॥ जेउणप
रउवआरविज्जउ॥ तासुजणणिकिणघक्कइ कंनउ॥ पंका
वलो २१ करणो पइज्ज पढमेजगणो अवीए॥ अंते तुरंग सव्वअणप
अतव्वपाए॥ उत्तावसंततिलआ फणियाउ किं वाले आपटं॥ ३१
ति सरस्सा सुकइंदादिआ॥ जहा॥ जे तीअ तिक्खचक्कवु तिहाल्लाव
व्वा॥ ते कामचंदमहुपंचमसारणिआ जे मुहुणालिनागहासव्व
ला विहिदीवदृति ते तिलजलंजलिदाणयोगा॥ वसंततिल
का॥ तेजणिअ वरणागणपडिअमुहो॥ संववि अउणाविदिचव
रजुअलो॥ तेकरअलगणपरपअ णिओ॥ चक्कपअहइअ

फणिवइणिओ॥ जहा॥ खंजनजुअलणअणवरउपमा॥ चाउक
णअलइजुजनुच्चसुसमा॥ फुल्लकमलमुहिगअवरगमणी॥
कासुसुकिअफलेविहिगहुरमणी वक्कपदा॥ कर पंचपसिद्धति
अद्धवंरेवअणंपयनंति मनोहरवअने॥ रगुउ पंचदलाब्रऊगरि
सिअंवविअं॥ भमरावलिछंदपसिद्धकिअं चारिअं॥ जहा॥ उअ
देवइरित्तगणाहरणा॥ जसपावउचंदकला जरणासरणा॥ प
रिभूजउ तेजिअ जोचमणा भवणा॥ सुखेपेच्छउ लोकविणासि
मणा सुणा॥ भमरावली॥ कणदिणसत्ताअं तेएक्का॥ हाराज
णीआ॥ पणराहाहारासेरंगिक्काछंदाजाणीआ॥ तीसाम
त्ता पाए पत्ताणो इराआ जे पेता॥ वोछंदा किज्जे कित्ती लिज्जे मणा
मण्याकं पेता॥ जहा॥ मत्ताजो हाउ बेको हाअप्पा अप्पागद्दीआ॥

रोसारुणा। गज्जंग गज्जासरुण्णा नच्चा उड्डी आ॥ हत्थी जूहा सज्जा हू
आ पाए भूमी कंपंता। लेहा देही उड्डी उक्की तो सद्दा स्सरा जे पंता॥
सारंगिका॥ चामरस्स बीस मत्त तीणि गंध गाल आ। अग्गहार
सत्त सार पाअ पाअ पिंगला॥ आइ अंत हार सातु कामिणा
मुणिज्जए। अक्खरा दहाइ पंच पिंगले भणिए ज्जए। जहा॥ सि
त्ति जोह सज्ज होइ गज्ज वज्ज तं खणा। रोस रत्त गव्व गत्त ह करी ४०
जत्ती सणा। धाइ आइ खग्ग पाइ गाण वा चलंत आ। वीर पाअ
पा अराअ कंपमंत ठलंत आ॥ चामर॥ हार कंत तिण्णि सब्ब हे
का परि तिगणा। पंच गुरु दुणा जकचंत कन्नुर गाणा। एथ्य साहि
वं रमुहि वी सलजमाणा आ। अब्ब मणास प्पमणएबं दिणि सिपा
लक्खा॥ जहा॥ जुन्ह पलञ्जमिप जठिलसिआ। सगामएख

गाहणा को हणा हि जणिआ॥ वीसस रति कब फरए गुरुणा थप्पि
आ। पच्छ तह नोल्लु दह ताबे सह के पिआ॥ णिमिपाल॥ जहि आइ
हस्य णारे द विल तिदिणि जिआ। गुरु ए क कल हल्ले वे विन कइ कि॥
ज्जिआ॥ गुरु गाइ गंध खहार अंत हि थप्पि आ। मणहंस छंद प
सिद्ध पिंगल जंपि आ॥ जहा॥ ॥ जहि फुल्ल केसु सब्ब सो अ चंप
अ वेल्लुआ॥ सहकार केसर गंध लुद्ध ज भमरा। वह दक्खदक्खि
ण वाउ पामण हपे जणा। महुमास आवि अलोक लोअणारंज
णा॥ मणहंस॥ पउम रस सहि वेमालिणी णा मउवतो चमर ति
अपसिद्ध वीठालेणि बद्ध। सर गुरु जुअ गंध अंत कणा। छंद
मणहरस छंदं दिन्न सदाणि बद्ध॥ जहा॥ वहइ मलय वाआ

हंतकंपंतकाया॥ हणइ सव्वपाणं दयाकोइ हला वयंधा॥ सुणिणं अद
हदिंगंता। सिंगरुंकारं जाहणि अहणइ हं जेवं जं वेज्जं नमारा॥ मा
लिनी॥ जणिअसु पिअगणरसगणस हिल्झो॥ बुहिविकरलअप
अगुणिओ॥ कच्चउ अलगणपअपअमुणिओ॥ सरहसु पिअग
णफलिवइजणिओ॥ ॥जहा॥ ॥नरलमलदलसरिजुअणअ
ण॥ सरअसमअसमिहरसरिवअण॥ मअगलकरिवरसअव ४१
सगमण॥ कमणपुकिअफलेविहिगडुरमपा॥ सरज॥ णरंध्ज
न्यसव्वलोसुपणवक्कदासण॥ पइक्कमपंचमेपआचउसरीस
ण॥ पलेतहा उवाउसारअंतजस्सवद्दण॥ पसिद्ध॥ णराउजन्यसव
लोसुपणवक्कदासण॥ पइक्कठामपंचमेपआचउसरीसण॥ प

जेतहीं णउ वाउसार अंतें जस्सवद्दण॥ पसिद्धण णराउजन्यगंध
वंकअव्वण॥ जहा॥ वयंतजोहसत्तुरवोहवमाकमणअगाण॥ कि
वाणसत्तणपत्तचवावक्कमुग्गरा॥ पहारवारधारमाररणावण
पंडिआ॥ पअइअओवकंतहंतपेणसेणमंडिआ॥ ॥णराच॥ ॥
नीलविसमविअणाकुमअंतहवाइसहा॥ पंचउपगणपाउ
पआसहणरिसहा॥ अंतछिआनहिहारमुनिजुहिहेरमण॥
वामनअगालतिणिसआधअमत्तमुण॥ जहा॥ सज्जिआ
जोहविवद्दिअकोहचलाउधणू॥ पक्करवाहचल्लनरनाह
फुरंततणू॥ पंत्तिवलंतकरेधरिकंतसुखगाकराकणनरेंदसु
सज्जिअविदवलंतिधरा॥ ॥नीजछेदा॥ दिज्जिआसुपणआइ

एक्कतोपव्वाहराइं।हेलोन्नपयंचवक्कमव्वलोमलोहराइंअंता।
दिन्नगंधवंधकअक्खराइंसोलहाइं।वंक्कलाविणिम्मिआफलिं
दएउड्डब्भहाइं।बस्ता।।कणपत्थड्डकोलस्सनुवाणसंहएण।
वावेजाकुणाहुलग्गुअंधआरसंसएण।।एस्थपसयचारिवाणं ४२
करणाहरिड्ढणा।पेकिववकणकि।१ चिंधणवाणसंहका
दिएपा।।वंवला।।जोलोआणंवदचिंवोवेविज्जवेहंसवाणासु
ज्जाणोपाओकंउवावेकणव्वेसारवाणा।।छंउगाअंतोकंतो
वुत्तोसव्वेसोसंमाणीओ।।पवम्हाणंनओऊंदोएसोलोआणेव
घणापोजलाछमवानोहाउव्वेकोहाउोकाउंछीनुजंता।मेपा
क्करंमाणेहादंसाअप्पाअप्पाउजंता।।धावंताशीलाहिलेकं

ठमत्थापिवोपिरंता।।तंसग्गामग्गाजाएअग्गालुवाछक्काहेरंता
।।१०।।वुल्लनूपक १६पओहरमुहधिआतहअहत्थएक्कादिआ।
पुणोवितहसंठिआतहअंगंधसज्जाकिआ।।पलत्तिवलआजु
आविमलसद्दहाराउणा।वउज्जलअवीसआपुहविणामवं
दामुणी।।जहा।।रुणज्झाणिअनूसणंरणंतकंचीगुणं।सहास
पुहपंकअं।अगुरुधूपधूमुज्जलं।।जलंतमणिदीवअंमम्म
णकेलिकीलासरं।णिसामुहमणोहरंजुवइमंदिरंसोहए।।प
च्ची।।पउमद्दिअविप्पआतहविज्जवइचप्पिआ।।चरणगए
तीअओतहअमुवेइदाअओ।।चमरजुअअंगाणाविमलगं
धहाउजंता।।णणाइफाणिसेहराउणहंछंदमालाहणजहाव
हइमलआणिलाविरहिचेउसंतावणा।।चवइपिकपंचमाविअ

सुके सुफ छा वणो ॥ तजुण वण पछि आमउल माहवी वछिओ
॥ विघर सहिणो त्र आसमझ माहवा पत्र आमालाधर ॥ कु
त्रीपुत्रानिपाहिणउ मत्रासंगविणकोपाण हाराहल्या कुडज
कं कणगंधासंववि जुगा जाण ॥ चारी हारानद्दाकारउ पाआ
अंतविसज्जी आण सप्पाराआ मुद्दा मुद्दाका अउ जंपे पिंग ॥ ४३
लमंजीराण ॥ ॥ जहा ॥ गज्जे मेहा णीला कारउ सद्द मोराउ उ ॥
चारावा ॥ ठामाठ्य माविज्जुरे हद्द पिंगा दहउ किज्जै हारा ॥ फुल्ला
णीवा पीवे भम्मर दक्क वाउ अवी अंताण ॥ हं हे हंजे काहा किज्ज
उआओ पाठ सकी अंताण ॥ मंजीरा ॥ जरं हासणाण कंकणासु
हावहे पाइ हपाण ॥ जवणा दहा अवअं जे मुदं गमुगाण सुगाण

सुठाण ॥ दहानिणिगुणा जहासंठ आ होइ मत्ता सुपाण ॥ फणिंद
पणंता किआ जक्कछं दाणि वद्दाइ जाण ॥ जहा ॥ जहा भूतवेता
लणच्च तं गावं तखाण कवंधा ॥ सिआ फारफेक्कार हक्कारवंता
ता फुट्टे कणारंधा ॥ कआ उद्दफुट्टे मत्या कवंधा णवंता हसंता
ता ॥ तहा वीरहम्मीर संगाम मज्जे तुरंताजुझंता ॥ ॥ कीआ चक्क
॥ ॥ आइरगाण हत्थकाहलता लाद्दिज्जक मजक्आ ॥ लद्दहा
पलंत विणाविसहालो अहिवु वज्जि आविविकाहल हार पूर
ऊसे खवकं कणा सोहणा ॥ नाग राह मणंत सुंदरि चक्करा मनमोहना
॥ जहा ॥ पाइणोउर झंझणक्क हंस सद्द सुसोहणा ॥ थूल थूल
थणा गणा चक्क मोत्तिहार मणोहर ॥ वामदाहिण धालिया वहंता

कवचकुवु कउ कव अ काहि पूरि सगोह मेउ णाएहु हुं दरिपो क
क्खिव आ ञ्चखरा ॥ मासो जो सततो समंत गुरु अ ओ एउ पाविं सा उणो
पिंगो अं सउवी समन्त णाणि च अं वा सिजो णा उणा ॥ जं छे हत्तरिव
णहो वउ पए वन्नो सरे हं मुणो चआली महणा मपिंगलक हे सह ४४
लसो सद्द ओ ॥ जहा जे लंका गिरि मेहला हि खलि आ संजोग
खिणो २६ फाउ फुल्ल फपावली कवलए पन्ना दरिद्दन्ते णं ॥ ते
हसिए मल आणि लाविरहिणो पासासंपक्किणो पत्ताण जि
सिसुन्नणो विवहला ना नुण उ णा वि आ पव्वारे त हतिणि चामर
वेरदा संति वण ज्जलं त ओ हल्ल कु विणि चामर तह त ओ अ गंधयु
रो ॥ तिणा हिणा सुगंध चामर त हा गंधा अ वे चामरि हं तो घअ वद अ

त करतो सद्दूलविक्कीलिअं ॥ जहा ॥ जे घो अं जणा मो णा लो अ
णाउं अं वाल च अ णं मुउं हच्याले विअ केसप च्च क्व वद्द घो णं ति
जं विदुत्तो ॥ जेण कंसि व अं वलं णो वसिदं तएहो कण्णको लावि
आ ॥ आणो हाइ अ म अ देक्को जणणा जो रिस रेणा मुणा ॥ ॥ सादू
लविक्कीड़ित स्पलक्खणं वयमेतत् ॥ ठइ विदि अवर जु अ म जो
कर अल कर हि ॥ पुण विदि अवर जु अल सज्ज केर अलकरि
॥ सर सगणा विमल जह मुद्ध व वइ मणगइ ॥ विमल मइ छ गण
क इ चे इ मलक हइ सो इ ॥ ॥ जहा ॥ ॥ आमि अ कर किरणा
घर ॥ फुल्लवर कुसुम वणा ॥ कुवि अ पइ सर ठ वइ कामणि ॥
अवर इ धण ॥ खइपिक सम अ णो ककं न तु आधिर हि अल ॥
गमि अ दिण उ पुणएणा मिला जाहि सहि पिआ णो अल ॥ चंद्रमाला ॥ ॥

ठइ करइ अवसुमुणि· सरहि विमल मइ विमलो। ठइ अवइरस
परसअण पअ पअहतवे। दिअगणच उव्व उ पअहिणण
फणिवइ महा। धवल अणसरिस णएणसिअउणहो॥ ॥जहा
॥ ॥तवुण नरणितवइ धरणिपवण वहुखरा। लगणहिजल
वउमतुथलजणणिवणहरा। वसइ वोलइ हिअअ जो लइहमे
एकलिवकणायरणणि अखुणहि पहिअमणइ छलकल॥ थ ४५
वलांग॥ अवलो अअ मणसुछंदं ॥ मणम जो मुखं संकुंतो सु
पिअं अंतेण विहत्थादि ज्जुऊं जकुंतो पुत्तं संजेतो गणअ ग
हिअइए अं किजइ अंतेसणहरा जो। इअ अधे सास अमत
पणहहंहे संजुणमो अं॥ जहा॥ सिअविधाकि। जुज्जि अ जो
अलिज्जिअपासछिदकंपंता। वहपछावा अहलगो को अहसव

दसाऊंपंत॥ जइ रोसइ वित्ता हो सइ चित्ता हो सद। अगणिपिद
पप्पा आ। करपा आसं जारिकि जे पित्तारि अप्पा त्रप्पांळको
आ। छं। १९ जहि आइ हत्थणरें द विणविया अपंचम जो हलो
। जहि गइ हु वहि हत्थ दासइ सद्दअंत हिणो उरो। सो इ छंदगी अ
उ मुद्दिणा अतुस वलो अहिणाणि ओ॥ कइ सिवि सिव उ र
विदिवउ पिंगले ण वखाणि ओ। जहा॥ जह फुल्ल केअ इवा उ
वंपअ कूअ मेंज रूवं जुआ॥ सवदासदासइ के सुकालणपाण
वाउल भमरा॥ वहपो मगंधविवेधवं धुर मंद मंद समीरण
णिअकेलिकोतुकलासलंगि मलणिआर मणी जणा॥ गी
ता॥ रगण णपलं त आउणो णरेंद कं तआसु छंद पणहअकु
अंतहा सुमद पाचे चं तहो सुसक एण।। गंज आगणो ऊ ण सु वणस

संखवीसए फासिंदिए गाउ॥ तीसमत्त पा अपज्जत्त हारती अपा अरए ए
सहस्सा॥ ३॥ जहा॥ ताव बुद्धि ताव सुद्धि ताव मारा ताव दाण ताव
गवा जाव हत्थेण ब विज्जुरे हरंगणा इं एक्क दुष्पाए स्प अंतर
प्पदेसदेवरो सहोइ एा वसोइ सब्बकोइ बुद्धि कोइ सुद्धि कोइ मा
पार्ती कोइ दाणकोइ ॥ १०॥ घागेउ का विकणगं घहारावल आदि
अगणा हत्थहारा वलेनाए क्कस्सासद्धाकणा धअवब्बसाहि ४६
आकंकणा अंतकं ना॥ वीसाए क्कागलाजं पलरगुउ लद्धवार
हाहीइ हाहापिं मवन्नी सव्वगासउफणि जणि आसघराहोइ सु
द्धा॥ जहा॥ ईउ कुंदरू किन्नि अमंद उताव इ वाणाहि से सधूए॥
डम्मिल्ला॥ ठावकुआ इ हि सक्कगणा तहसव्वविसजकुवेवि
लहापला लेउ रस इजुआ पुएहले उरए परिगार हजवगणा करा

काहल जुग्गल अंतकरि ज्जसुएं परिवौ विहवफए आसक वत्ति
समत्तपअप्पअले कवकुअव मा आराकिराइ विसेसकु हो
जहा॥ पेवप्प अठ त्तिसिरे जिलि लितेज्ज अरउं जवणे तवले
पुण्णु। सो अर मुंदरि संगहिल गि अमातु विराधक वंधवहाहए
मातुइ मिछि अवालि विहें हि अरज्जसुगावह हि ज्जु अकंठ अ
वंधिसमुद्दवि मालि अरावेल सो तु हराह वदि ज्जउ लि वुआ कि
राटरास वपठ मपआहिं जणदहन सुपि अगणा जगणा तह अं
ताग उजुगाह स्सअले नापुणविएं अगुउ जु अलकुजे अवल अ
जु अलकरजं पइणा आकविरा आसुदरको आपअपअलाहि
करहि गअगमणि सखिव आसिचालिसमेता करजुआ एडुणि

उत्तागणपिजणसवपअवसुंसुरसत्तुतमच्चपच्चपअलातिअ
जंगोसुहअंगोसत्तणसंगोजहा॥ जअहइ जअहुहुरवलहुआवि
सहराविलइअसुंदरचंदामुलिआपोइंवणकंदावसहगमण
करतिसुलउमत्तधरणअणाहिंगजकुवंणंगरिउमगंगोरि
अधेगं॥ जअउजअउहरिसुअ जुअधत्तगिरिदहमुहकंसवि ४२
णापिअवासासुंदरहासावलिवलिमाहिदत्तअसुरविलअक
उमुणिजणमाणसंहंसासुहमासाउत्तमवेसा॥ त्रिभंगी ३३ क
लोकुपढमदिअसरससुपिअधक्कवपअहिपलइतहिठइ
अवरं॥ सालूरसुमणिमणहरणिरआणिपकुवआणिक
मलदलणआणिवरं॥ वत्तीसहकलपक्कउववहपअलिउत

हमहरअलहिसविलअं॥ मत्ताचरणसुललिअछुउवउकल
केअकइदिणअरमणाणुअच्चपए॥ जहा॥ जंफुल्लुकमलवण
वहइलहुपवणभमइभमरकुलदिसविदिसं॥ झंकारपल
इवणखइकोइलगणविरहिहिअतनुचरविसमं॥ आणंदिअ
जुअजणउल्लसुउठिअणासरसअणलिणिदलाकिअसर
णापच्चदिसिसिरिरउरिवसदिहरमउकुसुमसमअअवत
रिअंवणा॥ सालूर॥ सिरि॥ काम॥ मक्कु॥ मह॥ सारु॥ ताल
॥पिअ॥ ससिर मण॥ जाण॥ पंचाल॥ मइंद॥ मंदर॥ कमल
॥तिण्णधारी॥ णगाणा॥ संमोहा॥ हारी॥ वंधा॥ हंसा॥ जमका॥ सेसाति
ण॥ विज्जोहा॥ चोरंसा॥ मंथा॥ संखाणरी॥ विविअएण॥ मालइ॥ द

मणा। समाणि। सुवासऊ। करहंचा। तरुसीसा। विज्जुमालि। पा
माणि। मल्लिका। तुंगा। कमलं। तेहा सा। महालच्छी सारंगिक्का
पेत्ता। कमला विंबा। तोमाला तंच्छा मालिहि। संजुत्ता। चंपच्च
माला। जाणा। सारी वेत्ती सारो सप्पसादप्पणाहि सुवदसः स ४८
गागंगा जले। हिआ मूलं पूरिदा एत्तु हि ए करकला उ
प्पासि पीअउ हो।। जो पहा चो ना द... द्वे दंणाद मउ।
लिणि हिज्जगा हत्थेहि दोहि अग्गे सिद्धं वदंतो जच्चगी
गिरि सुच्चाया चो पंकि उ ताणं।। स्रग्धरा। आइ ति जस्स पा
अगणा पञ्जि लिआ। जोहल्ल अंत ठवीजे। काहलस
हगंधए मग्गणि। गणा कं कणताहकराजेजं। दासइए को पेरिव

भुणार वइ फक्कइ संघसु लुद्धा। चामरजुगा अंतजहि पलिअ
उत्तहुत्तरं दउ कद्धा।। ।।जल्ला।। ।।कुल्लिक्का के सुचंद तहप्प
अल्लिअमं जरिते जइ चूआ। हासकिवेणा वाउसि अलमइप
वहइ कंप विअ्आ इणि हा आ।। केअइ धूलि दासे दिसे पसर
इपी अरसबउ पासो आ। उवसंत काइं सहि करिअउ कंत
णाघक्कइ पासे।। णरेंद्र।। ।।विज्जुमाजा आइ पाएतिअ
हि अगणा वह वकुगुणा जुत्ता।। अंते कणा सुघावणा मणाफ
णाव इ कविवरगुणाजु ना। जे वन्नीसा मत्ता थक्के पञ्चपच्च
प अलि अल कुउ सो हा एसो हंसा ए मा ठं दो स अन्न विवु
हअ कंतु मणमोहा। जला।। दो ताणं दाउ गा चं दा च्चल चमर

समसिअकरविंदा ॥ उग्गो तारा तेआसारा बिअसुकुसुमवण
परिमलकंदा पासे कासा सब्बासा मकरपवणलहवहिअक
रंता ॥ हंसा सद्दू फुल्ला बंधू सरअसमअसोहिहिअहरणा
हंसा ॥ जहि आइ हत्था कर अलतत्था पाआ कंठलहू जुअ
कण्णगणा ठवि ॥ चामर अग्गकाहलजुअ वंकासद्धपअस्स ४८
हवेवि गणा ॥ पअअंते तहि सक्का गण पअलिज्जे ते इस वण्ण पु
ण्णो माणकिज्जा ॥ एक्कु मत्ताहि पो माबइ पभणि ज्जे व ताहि
सुंदरि आणिज्जा ॥ आइहि सगण वे बिगण किज्जे सगण
अंते ॥ पगण सगण कण गण मज्झे तिणि पलंत ॥ ॥ जहा ॥
॥ जहि वेअ धरिज्जे महिअल लिज्जे पिविहिदंतहि मउध

रा ॥ रिउवच्छविआरल छत एह ठावे वंधिअ संतु सुसज्ज बरा ॥ कु
लखत्तिअ तप्पे दहमुह कप्पे कंसअ केसि विणास करा ॥ क
रुणा पअले मेच्छ हविअले से देउ णाराअण तुम्ह वरा ॥ सुंद
री ॥ ड मिला इं पअआसड्ढ वण्ण विसेसहु दकवफणिंदकुवा
तुगणा ॥ अ एहम त्तवतीस हविणिअ सेस ह अ अंकेअठा
अहि जं सगणा गण एअणणा दिज्ज हकितिम णिज्जइ लगा
इ होस ओ सो अ परा कर तिणि विरा म ह पा अहपा अहता
वह अवले अ बहहो ॥ जहा ॥ पअ दिज्जिअ रज्जे अ सज्जिअ
रोप्पर केकण वाउ क्किरीट सिर ॥ ठरक णाहि कुंजल णाअ
र इ मंज्ल ठाविअ हार फुरंत उरे । पत्थई चंगु लिसुंदरि हाराहि

सुंदरिकंचणारजासुमजकतए॥ तसुतणुसमा॥ भ्रमिअंग
अवंधसुमुहीछंदा॥ होइअ॥ माणिणिदमणा॥ असेविका
मालतीदलपकाइं दवज्जा॥ उवेंदवज्जा॥ अधइपजाइं॥ वि
ज्जाहारा॥ तहपत्तअंगालछीहरतोलंका॥ सारंगा॥ त्तआ॥
सुत्रिमदामा॥ मोदकातरलिए॥ अणा॥ सुंदरि॥ माच्चातारक ५०
केदा॥ वंकावलि॥ वसंता॥ चकोपमरावलि॥ सांगि॥ काचा
मरुआणिसिपाला॥ मणहंसमालिणि॥ सरणराचाली ला
वंचलिका॥ आरंगा॥ नवउपुहवी॥ माला॥ हरमंजरिकीलाव
का॥ चचारिसदह॥ असहूला॥ तहचंदमाला॥ धवलंका॥ संजोगी
आतहगंउका॥ सवीरा॥ अणरेंदा॥ हंसी॥ सुंदरि॥ डम्मिलकिरा